दैनिक बिहार पत्रिका
DAINIK BIHAR PATRIKA

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका में खबर प्रकाशित करवाने एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें - 9801716267

सुविचार

"तुम पानी जैसे बनो जो अपना रास्ता खुद बनाता है, पत्थर जैसे ना बनो जो दूसरों का भी रास्ता रोक लेता है।"

पटना, गुरुवार, 15 फरवरी,2024 | पटना से प्रकाशित | संपादक - कृष्णा टेकड़ीवाल | मूल्य- ₹ 01 | पेज- 04 | वर्ष 04 | dainikbiharpatrika.com

फंदे से लटककर नवविवाहिता ने दी जान

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत इशाकचक थानाक्षेत्र के तबलपुर में नवविवाहिता ने फंदे से झूलकर जान दे दी। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। मृतक नवविवाहिता की पहचान तबलपुर निवासी नसरीन 23 वर्ष के रुप में की गई है। दो वर्ष पूर्व भीखनपुर शहामद हुसैन लेन निवासी फैजल अंसारी के साथ शादी हुआ था। मृतका को 7 महीने का एक बेटा भी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे मृतका के मायके वालों ने ससुराल में जमकर हंगामा किया। मायके वालों ने सास- ससुर पर हत्या का आरोप

लगाया है। उनका आरोप है कि अक्सर दहेज का मांग करता था, मारपीट करता था, गला दबाकर उनकी हत्या की गई है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरु कर दी है। नवविवाहिता का फंदे से लटका हुआ कमरे में शव मिला, जिसके बाद आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। घटना के बाद सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे। परिजनों को घटना की जानकारी तब हुई जब देर सुबह तक नवविवाहिता अपने कमरे से बाहर नहीं निकली। ससुराल वाले ने जब आवाज लगाया तो दरवाजा नहीं खोला गया तो दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो फंदे से शव लटका हुआ था। मामले को लेकर ससुराल वालों का कहना है कि आत्महत्या कर उन्होंने जान दी है। जबकि मायके वालों का कहना है कि उन्होंने आत्महत्या नहीं किया है, ससुराल वालों ने मिलकर गला दबाकर हत्या किया है।

सिंहनान में पुआल पुंज में शरारती तत्वों ने लगाई आग

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बांका। बिहार। जिलांतर्गत रजौन प्रखंड सिंहनान पंचायत दुर्गा स्थान के समीप मंगलवार दोपहर 2:30 बजे शरारती तत्वों द्वारा महेश साह के पुआल पुंज में आग लगा दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों के अथक प्रयास के बावजूद आग पर काबू पाया गया लेकिन तबतक 10 हजार पुआल जल गए। बताते चलें कि आग की लपटें निकलते देख ग्रामीण इस आग पर नियंत्रण पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आग का प्रभाव इतनी तेज था कि आग पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा था। अंततः ग्रामीणों व

आदर्श फूड प्रोडक्ट्स के व्यवस्थापक आदर्श कुमार दत्ता के सामूहिक प्रयास से आग फैलने से रोक लिया गया। घटना के बाद पीड़ित व उनके परिवार का हाल बेहाल था। क्योंकि काफी मेहनत के बाद धान की फसल पूंजी लगाकर उपजाया था लेकिन वह जलकर राख हो गई।

अमरपुर: सीने पर कलश रखकर 24 घंटे का अखंड संकीर्तन शुरू

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बांका। बिहार। जिलांतर्गत अमरपुर प्रखंड कुमरखाल गांव के जनार्दन मंडल के पुत्र बादल कुमार ने बारह ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर लौटकर अपने सीने पर कलश रखकर 24 घंटे का अखंड संकीर्तन शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक बादल कुमार के बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर वापस लौटने के बाद ग्रामीणों ने चोरबैय शिव मंदिर में अखंड संकीर्तन शुरू किया। इसमें बादल कुमार ने सीने पर कलश रखकर अखंड संकीर्तन का संकल्प लिया है। पंचायत की मुखिया के प्रतिनिधि जयराम यादव ने बताया कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए तथा समाज में अमन-चैन कायम रखने के लिए उन्होंने यह व्रत लिया। उन्होंने बताया कि बादल कुमार ने विगत 15 सितंबर को सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ से गंगाजल लेकर बारह ज्योतिर्लिंग तथा चारों धाम का दर्शन कर दस फरवरी को ज्येष्ठगौरनाथ मंदिर पहुंचे। वहां से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने डीजे एवं बैंडबाजा के साथ उनका स्वागत किया। मंगलवार को उन्होंने चोरबैय शिव मंदिर में शुरू हुए अखंड संकीर्तन में उन्होंने सीने पर कलश रखा, बुधवार को संकीर्तन का समापन होगा। अखंड संकीर्तन से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया है।

भागलपुर डीएम ने जीरोमाइल रेशम भवन में रोजगार मेले का किया शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत जीरोमाइल स्थित रेशम भवन में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत आयोजित रोजगार मेले का विधिवत शुभारंभ भागलपुर जिलाधिकारी पदाधिकारी डॉ0 नवल किशोर चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भागलपुर के अपर समाहर्ता, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक और आरसेटी के निदेशक भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी डॉ0 नवल किशोर चौधरी ने कहा कि जीविका के माध्यम से युवा केवल रोजगार पाने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला भी बनें। आज जीविका में इतनी क्षमता है कि वह लोगों को रोजगार सृजनकर्ता के रुप में तैयार कर सकती है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि यहां जो कंपनियां युवाओं के चयन के लिए आई हैं, वह यह भी बताएं कि उन्हें किस प्रकार के हुनरमंद युवाओं की आवश्यकता है, जिससे उनकी आवश्यकताओं के अनुरुप युवाओं को तैयार किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जीविका द्वारा आयोजित रोजगार मेला केवल कुछ युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाला कार्यक्रम बनकर न रह जाए, बल्कि इसका बृहद

पैमाने पर आयोजन करते हुए इसमें जिला कृषि विभाग, आत्मा, उद्योग विभाग, बैंक और अन्य विभागों को भी आमंत्रित किया जाय, जिससे कि सभी विभागों की योजनाओं का लाभ उठाकर युवा उद्यमशील बन सकें। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं में काफी क्षमता है, जरुरत केवल उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की है। जिलाधिकारी ने भविष्य में रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का बृहद पैमाने पर आयोजित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने रोजगार मेले में भाग ले रहीं कंपनियों के स्टॉल का अवलोकन करते हुए उनके द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उन्होंने जीविका जिला परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिया कि जिले का कोई भी गरीब परिवार स्वयं सहायता समूह के जुड़ाव से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर उपस्थित एडीएम ने कहा कि आज के समय में रोजगार पाना एक कठिन चुनौती है, ऐसे में जीविका द्वारा इस प्रकार रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना एक सराहनीय कदम है। जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक ने कहा कि जीविका के रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में 19 कंपनियां भाग ले रही हैं, जिनके द्वारा जिले के युवक- युवतियों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान किया जायेगा। जिला परियोजना प्रबंधक ने कहा कि इस वर्ष तीन रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया जा चुका है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। जीविका के रोजगार प्रबंधक मुमताज रहमानी ने कहा कि इस रोजगार मेले में कुल 15 कम्पनियों के स्टॉल लगाए गए हैं, ये कंपनियां युवाओं को सीधे रोजगार उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा आरसेटी,आई लीड, डीआरसीसी सहित 4 संस्थानों के भी स्टॉल लगाए गए, इनके द्वारा निबंधित युवाओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जायेंगे। आरसेटी द्वारा युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे स्वरोजगार से जुड़ सकें। जीविका के रोजगार मेले में नवभारत फर्टिलाइजर लिमिटेड, हॉप केयर, भारतीय जीवन बीमा निगम, सीडेक इंडिया, क्वेस क्रॉप, ईफोस, क्वैस, उत्कर्ष बैंक, मनो आशा फाउंडेशन और जोमैटो ने अपने स्टॉल लगाए। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में संगठित क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें 9 से 35 हजार रुपए प्रति माह वेतन के साथ पीएफ जैसी सुविधा भी मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन जीविका के युवा पेशेवर दीपशिखा ने किया। इस अवसर पर जीविका के कई बीपीएम और प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में जीविका दीदियां और युवक-युवतियां उपस्थित थीं।

बांका: गुरुधाम में सात दिवसीय वार्षिकोत्सव सह वसंतोत्सव का शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। जिलांतर्गत बौंसी प्रखंड स्थित वेद विद्यापीठ गुरुधाम में मंगलवार को सात दिवसीय वार्षिकोत्सव सह वसंतोत्सव का शुभारंभ हो गया। जानकारी हो कि इस वर्ष मंदार गुरुधाम का 95वां वार्षिकोत्सव और छोटे सरकार तथा ठाकुर मां की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम किया जायेगा। जिसकी वजह से पांच दिवसीय कार्यक्रम 7 दिनों तक चलेगा। जानकारी देते हुए आयोजन से जुड़े कुणाल झा ने बताया कि पहले दिन श्री छोटे सरकार एवं ठाकुर मां की मूर्ति का पंचांग पूजन एवं जलाधिवास का कार्यक्रम के साथ- साथ सारे वेदियों की विधिवत पूजा-अर्चना भी की गई। बताते चलें कि 14 फरवरी को महास्नान, नगर भ्रमण एवं दोनों मूर्ति का शय्या धिवास का कार्यक्रम होगा। जबकि 15 को सान्याल बाबा का जन्मोत्सव एवं छोटे सरकार एवं ठाकुर मां की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। 16 फरवरी को परम गुरुदेव लाहिरी बाबा का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। 17 को छोटे सरकार का वार्षिकोत्सव और दरिद्र नारायण की सेवा, 18 फरवरी को बड़े सरकार का वार्षिकोत्सव मनाया जायेगा जबकि 19 फरवरी को गुरु भाई- बहनों के द्वारा शिव पंचायतन की पूजा के बाद सात दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा। कार्यक्रम में शरीक होने के लिए मुख्य रुप से गुरु माता देवसेना चक्रवर्ती, बबली पाठक, शेषाद्री चक्रवर्ती, प्रमोद झुनझुनवाला सहित कई प्रांतों के गुरु भाई- बहन का गुरुधाम में आगमन हो गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गुरुधाम के श्याम सिंह, नंदन शर्मा सहित अन्य लगे हुए हैं। दूसरी ओर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के लिए पूरे आश्रम के साथ-साथ विभिन्न मंदिरों को रंगीन रोशनियों और फूलों से सजाने का काम किया गया हैं। विभिन्न प्रांतों से आये गुरु भाई- बहनों को परेशानी ना हो इसके लिए आश्रम परिसर में भोजन और आवास की भी व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष मंदार गुरुधाम का 95वां वार्षिकोत्सव और छोटे सरकार तथा ठाकुर मां की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम किया जायेगा।

पीडीआई विषय पर शत प्रतिशत प्रतिभागी को प्रशिक्षण लेना अनिवार्य

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बांका। बिहार। जिला पंचायत राज पदाधिकारी बांका के आदेशानुसार पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) विषय पर 5 प्रखण्डों के क्रमशः धोरैया, फुल्लीडुमर, कटोरिया, रजौन एवं शंभुगंज के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी का एकदिवसीय गैर आवासीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जेपीएस मार्केट, प्रथम तल बांका में सोनी कुमारी जिला सामाजिक विकास समन्वयक -सह- नोडल पदाधिकारी जिला पंचायत संसाधन केंद्र, बांका की अध्यक्षता में किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया की पीडीआई बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और आपके पंचायत का रिपोर्ट कार्ड इसी से बनेगा। जानकारी देते हुए बताया की प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं की संख्या अच्छी रही। प्रशिक्षक के रुप में हिमांशु कुमार, प्रखण्ड कार्यपालक सहायक, (पंचायती राज), प्रखण्ड बौंसी, गौतम कुमार प्रखण्ड कार्यपालक सहायक (पंचायती राज), प्रखण्ड -बाराहाट, दीपाली सिन्हा यूको रेस्टी, प्रखण्ड -बाराहाट, दृष्टि मंडलोई, टीम कार्डिनेटर प्रदान, प्रखण्ड - कटोरिया, तारकेश्वर प्रजापति, गांधी फेलो, (पिरामल फाउंडेशन), स्वप्निल वादई, गांधी फेलो, (पिरामल फाउंडेशन) के थे। कार्यक्रम का आयोजन यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी के द्वारा किया गया। बताया गया की जिला पंचायत राज पदाधिकारी बांका के निर्देश पर पीडीआई विषय पर शत प्रतिशत प्रतिभागी को प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। यह प्रशिक्षण दिनांक 12 फरवरी से प्रारंभ हुआ है जो दिनांक 20 फरवरी तक चलेगा।

बिहार प्रांत अखिल भारतीय यादव महासंघ के प्रदेश सचिव बने रंजीत यादव

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बांका। बिहार। अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव के द्वारा रंजीत यादव को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया, पूर्व में रंजीत यादव अखिल भारतीय यादव महासंघ बिहार प्रान्त में युवा महासचिव रह चुके हैं। रंजीत यादव का त्याग, समर्पण और कुशलता एवं सक्रियता देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी में विभिन्न पदों पर एवं भारतीय तिब्बत सहयोग मंच, राष्ट्रीय हिंदू मंच, जिला खेल संघ एवं सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निर्वहन कर रहे हैं, रंजीत यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बांका जिला एवं बिहार प्रांत में खुशी की लहर एवं उत्साह का माहौल है। भाजपा नेता रंजीत यादव ने कहा कि वे निष्ठापूर्वक संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य करेंगे।

अमरपुर: श्रीराम मंदिर में विराजमान होंगी मां सरस्वती

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बांका। बिहार। जिलांतर्गत अमरपुर में ज्ञान एवं बुद्धि की देवी मां सरस्वती की पूजा- अर्चना उत्साह एवं श्रद्धा के माहौल में शुरू हुई। शहर के रविंद्र क्लब में मां सरस्वती की प्रतिमा के लिए श्रीराम मंदिर का मॉडल बनाया जा रहा है। रविंद्र क्लब के अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि भागलपुर के कलाकार पॉल दा द्वारा श्रीराम मंदिर के मॉडल का निर्माण किया जा रहा है। इधर शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों तथा सैकड़ों जगह पर मां सरस्वती की पूजा- अर्चना धूमधाम से की जा रही है। शहर के सार्वजनिक पुस्तकालय, एसडी पब्लिक स्कूल, साईं मिशन स्कूल, एबी एसेन्ट आदि स्कूलों में श्रद्धा के साथ पूजा शुरू हुई। सलेमपुर के बाबा दूबे भयहरण स्थान में सरस्वती पूजा के अवसर पर भव्य मेला का आयोजन किया गया है तथा यहां दंगल प्रतियोगिता के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भक्ति जागरण का कार्यक्रम होगा। सरस्वती पूजा को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना हुआ है।

बौंसी: हत्या के बाद शव पैतृक आवास पहुंचते ही परिजनों में मचा कोहराम

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। जिलांतर्गत बौंसी नगर पंचायत अंतर्गत पांडा टोला निवासी का सोमवार देर रात साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे में कार्यरत 35 वर्षीय राजकुमार चंदन की गोली मारकर हत्या के बाद मंगलवार देर रात शव पैतृक आवास पंडा टोला, रामनगर बौंसी पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया है। राजकुमार चंदन पांच भाई एवं दो बहन है। घर पर शव पहुंचते ही मां देवनी देवी, बहन बॉबी, भाग्य श्री, भाई राजा, सौरभ, कुंदन आदि परिजन बदहवास होकर रो रहे थे। दो बहनों एवं एक भाई की शादी हो चुकी है। पिता स्वर्गीय नरेश प्रसाद मंडल भी रेलवे में कार्यरत थे। पिता की मौत के बाद अनुकंपा पर पुत्र की नौकरी लगी थी। मृतक की पत्नी रिंकू देवी एवं दो छोटे पुत्र भी सदमे में हैं। सोमवार रात अचानक अपराधियों ने घर में घुसकर युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गयी थी। साहिबगंज पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर शव को परिजनों को सौंप दिया। इधर मंगलवार की देर रात शव पैतृक आवास पहुंचने के बाद परिजनों का रो-रोकर कर बुरा हाल है। जबकि पड़ोसियों की आंखें भी नम हो गयी है। उधर घटना के बाद साहिबगंज के रेलवे कॉलोनी में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि घर की जिम्मेदारी भी इसी पुत्र पर थी। लेकिन पुत्र की मौत के बाद परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

बौंसी: दुमका- पटना इंटरसिटी ट्रेन को मंदारहिल स्टेशन से किया गया रवाना

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। दुमका से चलकर पटना जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का मंदारहिल स्टेशन पर ठहराव को लेकर बुधवार को गोड्डा सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे, बांका सांसद गिरधारी यादव, नगर पंचायत मुख्य पार्षद कोमल भारती, मालदा डिविजन के डीआरएम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कोमल भारती के द्वारा गोड्डा सांसद, बांका सांसद एवं मालदा डिविजन के डीआरएम को बुके देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर दुमका पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को मंदारहिल स्टेशन से पटना के लिए रवाना किया गया। मालूम हो की झारखंड की उप- राजधानी दुमका से पटना जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का मंदारहिल स्टेशन पर ठहराव नहीं था। गोड्डा सांसद के अथक प्रयास के बाद मालदा डिवीजन के द्वारा अब इसका ठहराव दिया गया है। मौके पर नगर पंचायत की मुख्य पार्षद कोमल भारती के द्वारा मंदारहिल स्टेशन पर और मंदार विद्यापीठ हालत पर यात्रियों को हो रही असुविधा के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य पार्षद के द्वारा आरपीएफ एसआईबी भागलपुर को लिखित आवेदन देकर मंदारहिल स्टेशन पर यात्रियों के लिए ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने, यात्री शेड की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण करने, महिला एवं पुरुष यात्री के लिए शौचालय का निर्माण कराने, बिजली कटने के बाद स्टेशन में अंधेरा होने के कारण यात्रियों को दिक्कत होने के कारण लाइट की समुचित व्यवस्था करवाने, रेलवे स्टेशन के बाहर पार्किंग की व्यवस्था कराने, रेलवे स्टेशन से गांधी चौक तक सड़क व नाला का निर्माण कराने, रेलवे यात्री निवास का मेंटेनेंस कर यात्रियों को सुविधा मुहैया कराने एवं रेलवे स्टेशन में टीटी की नियुक्ति करने की बात कही है। साथ ही मंदार विद्यापीठ हॉल्ट पर टिकट काउंटर की व्यवस्था कराने, यात्रियों हेतु ठंडा पेयजल की व्यवस्था कराने, यात्रियों के ठहराव के लिए यात्री शेड का निर्माण करवाने एवं लाइट की समुचित व्यवस्था करवाने आदि संसाधनों को उपलब्ध कराने की मांग की है। मौके पर मुख्य रूप से जदयू के द्वारिका प्रसाद मिश्र, भाजपा के पुरुषोत्तम ठाकुर, पप्पू पंडित, उमेश प्रसाद यादव, अशोक कुमार सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा, समाजसेवी संतोष साह, श्रीकांत यादव सहित भरी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

स्थानीय लोगों ने सांसद को दिया साधुवाद

मंदारहिल स्टेशन पर दुमका- पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव हो जाने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। जिसको लेकर नगर पंचायत सहित प्रखंड क्षेत्र की जनता ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, बांका सांसद गिरधारी यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष कोमल भारती, मालदा डिवीजन के डीआरएम को साधुवाद दिया है। बताते चलें की दुमका से यह ट्रेन दोपहर के 2:05 बजे चलेगी जो दोपहर में 3:14 बजे मंदारहिल स्टेशन पहुंचेगी, 2 मिनट रुकने के बाद 3:16 पर पटना की ओर रवाना हो जायेगी। जबकि पटना की ओर से आने वाली एक्सप्रेस ट्रेन मंदारहिल स्टेशन पर दोपहर 12:22 पर पहुंचेगी 2 मिनट के ठहराव के बाद 12:24 पर दुमका की ओर रवाना हो जायेगी। ट्रेन के ठहराव से पर्यटन क्षेत्र के लोगों को बिहार की राजधानी जाने में आसानी होगी।

बांका: छात्रों ने विद्या की देवी मां सरस्वती की श्रद्धापूर्वक की पूजा

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

सभी सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थान में सरस्वती पूजा की धूम मची रही।

बांका। बिहार। जिलांतर्गत रजौन प्रखंड सिंहनान पंचायत के विज्ञान स्पेशलिस्ट शिक्षक बरुण कुमार चौधरी के संस्थान में छात्र- छात्राओं तथा शिक्षकों ने विद्या की की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूरी श्रद्धा से मां की पूजा- अर्चना की। मौके पर शिक्षक बरुण कुमार चौधरी ने उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा- अर्चना चहुंओर किया जा रहा है। उन्होंने छात्रों से पूरी श्रद्धा के साथ मां की पूजा- अर्चना करने की अपील किया। सरस्वती पूजा को लेकर छात्र एवं छात्राओं में गजब का उत्साह देखी जा रही है। विदित हो कि समाज के असहाय तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए विज्ञान स्पेशलिस्ट शिक्षक बरुण कुमार चौधरी के संस्थान में वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का कार्य कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए विशेष सुविधा दिया जा रहा है। सिंहनान, रामपुर, अमदाहा, दयालपुर, कोढली, भगवानपुर समेत आस-पड़ोस ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में छात्र एवं छात्रायें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे है। इस अवसर पर बरुण कुमार चौधरी व धर्मपत्नी विरागनी चौधरी, जितेन्द्र चौधरी व धर्मपत्नी सुमो चौधरी, अमित कुमार झा, अभिषेक कुमार चौधरी, निखिल कुमार चौधरी, रिषभ मिश्रा, अमन कुमार, दीपक चौधरी, अदिति चौधरी, गौरव कुमार चौधरी सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वहीं सिंहनान पंचायत के अमदाहा स्थित पारामाउंट ट्यूशन सेंटर में व्यवस्थापक आदित्य कुमार द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में मनाई गई। सफलतापूर्वक पूजा कराने में संस्थान के छात्र- छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। चितरंजन सर कोचिंग संस्थान में व्यवस्थापक आशीष कुमार के द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा- अर्चना की गई। इसके साथ ही सभी सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थान में सरस्वती पूजा की धूम मची रही।

शिव सुभद्रा विद्यालय रजौन में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की हुई आराधना

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बांका। बिहार। जिलांतर्गत रजौन बाजार स्थित सुप्रसिद्ध शिव सुभद्रा पब्लिक स्कूल सह मॉडर्न आवासीय विद्यालय व किड्जेनिया प्ले स्कूल में आयोजित हुई सरस्वती पूजा में व्यवस्थापक डॉक्टर रामसेवक सिंह, निर्देशक निलेश कुमार, शिव सुभद्रा पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक नवरत्न मंडल, मॉडर्न आवासीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक जय नारायण सिंह, किड्जेनिया प्ले स्कूल की प्रधानाध्यापिका सृष्टि कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा- अर्चना की, साथ ही सरस्वती पूजा धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक डॉक्टर रामसेवक सिंह ने समस्त विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें उच्च एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षण प्राप्त करने के महत्व की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र व जिला से काफी मात्रा में बुद्धिजीवी व शिक्षाविद् शिरकत करते नजर आए। मौके पर शिक्षाविद् ने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए व विद्यालय प्रबंधन की तारीफ करते हुए कहा कि आज जिस तरह विद्यालय में छात्रों को सुविधा दिया गया है वह काबिलेतारीफ है। आज के युग में कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर विद्यालय के व्यवस्थापक शिक्षा जगत में अपनी खास पहचान बनाई है। उन्होंने सभी छात्र- छात्राओं व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। मौके पर विद्यालय के निर्देशक निलेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के प्रति छात्राओं को विशेष ध्यान देने की बात कही एवं नर्सिंग में बढ़ती हुई संभावनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस दौरान विद्यालय में कार्यरत शिक्षकगणों और कर्मचारियों के साथ- साथ स्कूल में अध्ययनरत छात्र- छात्राएं भी मौजूद रहे। पूजा- अर्चना के बाद छात्राओं ने अपने गुरुओं से आशीर्वाद भी लिया। मां सरस्वती की आराधना के बाद संपूर्ण विश्व में सुख शांति की कामना और स्कूल में अध्ययनरत छात्र- छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए किडजेनिया विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सृष्टि कुमारी व अमन कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ भी किया। पूजा- अर्चना के दौरान प्रधानाध्यापिका सृष्टि कुमारी ने मां सरस्वती से यह कामना करी कि वसंत का आगमन सभी देशवासियों के जीवन में सुख समृद्धि का संचार करे और ज्ञान की देवी मां सरस्वती सबका कल्याण करें। सफलतापूर्वक पूजा संपन्न कराने में संस्थान के नीमानंद मेहता, कौशल किशोर पांडेय, आरके पाठक, राकेश कुमार, मनोरंजन पंडा, संतोष कुमार, ईशाक, जयराम, अजीत कुमार सहित अन्य का काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुलाल लगाकर टीम सच्ची खबर अच्छी खबर ने वसंत पंचमी की बधाई दी

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बिहार। वसंत पंचमी के मौके पर सरस्वती पूजा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई। छात्राएं पूरी श्रद्धा के साथ पूजा में शामिल हुए और विद्या की देवी मां शारदे की आराधना की। सच्ची खबर अच्छी खबर की अल्का सक्सेना, पूजा झा, रोजी रानी, नेहा मिश्रा, पायल झा, रागिनी मिश्रा, दीपा मिश्रा, सोनाली झा, नीभा मिश्रा, आकांक्षा मिश्रा, नेहा दीक्षित, निशा झा ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर वसंत पंचमी की बधाई दी तथा सच्ची खबर अच्छी खबर के सभी सदस्यों को अशेष शुभकामनाएं कहीं। भक्तिमय माहौल में मां शारदे को नमन किया और मां के दर्शन किए। मौके पर छात्राओं ने बताया कि मौसम के बदलाव की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा से होती है, मां शारदे की पूजा से एक उत्साह मिलता है। ऐसी मान्यता है कि पूरे वर्ष पढ़ाई के दौरान मां सरस्वती की कृपा उन पर बनी रहेगी और बुद्धि, विवेक तथा नृत्य संगीत में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। बच्चे अहले सुबह से ही पूजा की तैयारी में व्यस्त दिखे। छात्राओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बसंत पंचमी की बधाई दी तथा होली के आगमन का स्वागत किया। वहीं घरों में भी देवी- देवताओं पर अबीर गुलाल चढ़ाया गया। वसंत के स्वागत के लिए लोग पीले कपड़े पहनकर घरों से निकले और उन्होंने बसंत पंचमी की एक दूसरे को बधाई दी।

पटना उच्च न्यायालय क़े आदेश पर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया

रेशु रंजन | दैनिक बिहार पत्रिका

• फोटो :- जेसीबी सें अतिक्रमण मुक्त कराते प्रशासन

खगड़िया: पसराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत महदीपुर गांव के छरकी टोला में बसे 176 परिवार के घर पर कोर्ट के आदेश पर चली बोल्डोजर,जमीन को अति क्रमण मुक्त कराने को लेकर गोगरी एसडीओ अमन कुमार सुमन,गोगरी डीएसपी रमेश कुमार, पसराहा थानाध्यक्ष संजय कुमार विश्वास की मौजूदगी में सेकडो की संख्या में पुलिस बल तैनात। वहीं अपको बता दूँ कि महादीपुर पंचायत स्थित छरकी के पास निजी जमींदार गोगरी लक्ष्मीनगर निवाशी अमर सिन्हा के जमीन पर लगभग 176 लोग अवेध रुप सें क जा कर घर बना कर रह रहा था।लंबे समय तक कोर्ट में केश चल रही थी हाल ही में पटना हाई कोर्ट के आदेश पर खगड़िया जिला के द्वारा मंगलवार को सेकडो महिला व पुरुष पुलिस बल के साथ गोगरी अनुमंडल पदाधिकारी,गोगरी डीएसपी,परवत्ता सीओ,गोगरी सीओ,थानाध्यक्ष पसराहा संजय कुमार विश्वास,मड़ैया थानाध्यक्ष मो0 फिरदौस, परवत्ता थानाध्यक्ष अरविंद कुमार बेलदौर थानाध्यक्ष पुरेंद्र कुमार, कौशल कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी की मोजुदगी में जेसीबी से निजी जमीन पर अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है।मालूम हो कि महदीपुर पंचायत छरकी में 1992 से ही महदीपुर के लोग जबरन घर बनाकर क जा कर लिया था।ग्रामीणों ने बताया हमलोग 40 साल सें घर बनाकर रह है जिसमे सरकार के द्वारा इंद्राआवास का भी घर बनाए हैं,हमलोग का घर टूट रहा हैं।अब हम बाल बच्चे को लेकर कहा जाएं।

मुख्यमंत्री योजना से निर्माण हो रहे पथ में कार्य एजेंसी के द्वारा किया जा रहा है घटिया निर्माण कार्य

दैनिक बिहार पत्रिका | एक संवाददाता

घटिया निर्माण कार्य को आधे दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने बंद करवा कर उक्त कार्य एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग किया

खगड़िया: बेलदौर प्रखंड क्षेत्र के सुदरवर्ती इलाकों में मुख्यमंत्री योजना से निर्माण हो रहे पथ में कार्य एजेंसी के द्वारा किया जा रहा है घटिया निर्माण कार्य। मालूम हो कि प्रखंड क्षेत्र के कैंजरी पंचायत के तीरासी वासा से लेकर रहीमपुर वासा तक 1700 मी तक कालीकरण पथ का निर्माण कार्य देव इंटरप्राइजेज कंपनी के द्वारा करीब एक करोड़ 47 लाख 63 हजार की राशि से निर्माण कार्य किया जा रहा है। घटिया निर्माण कार्य को देख ग्रामीण राजेंद्र सिंह, मिथिलेश सिंह उर्फ मंटू, कृष्ण सिंह, सत्यनारायण चौधरी, मिथुन कुमार, इंदल चौधरी छात्र राजद नेता राहुल कुमार सहित आधे दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने निर्माण हो रहे कार्य को बंद करवा कर उक्त कार्य एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग किया। निर्माण कार्य बंद होने की सूचना पाकर पथ निर्माण विभाग के तकनीकी सहायक अभियंता राधा रमन कुमार उक्त स्थल पर पहुंचकर ग्रामीण की बातों को सुनकर उक्त कार्य को जांच पड़ताल किया गया। युक्त पदाधिकारी 50 सेंटीमीटर लंबाई 50 सेंटीमीटर चौड़ाई 20 सेंटीमीटर गहराई को तीन जगह खुदवा कर जब माप तोल मशीन से वेट किया गया तो प्रथम जगह 36 किलो मेटल 60 किलो बालू दूसरे जगह 29 किलोग्राम बालू 28 किलोग्राम मेटल तीसरे स्थान पर 41 किलो मेटल 57 किलो बालू प्राप्त किया गया। जबकि युक्त पदाधिकारी ने बताया कि जीएसईबी 70 मेटल एवं 30 बालू रहना चाहिए जबकि ग्रेट 3 में 3 इंच मेटल उक्त निर्माण कार्य स्थल पर देना अनिवार्य है। ग्रामीणों को युक्त पदाधिकारी ने बताया कि 68% मिट्टी एवं 32% मेटल ही पाया गया। तब तक के लिए ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को बंद कर दिया। करोड़ों की लागत से निर्माण कार्य देव इंटरप्राइजेज कंपनी के द्वारा किया जा रहा है जहां ग्रामीणों ने ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की किया जा रहा है। युक्त पदाधिकारी ने बताया कि इस संबंध में पथ निर्माण विभाग एवं जिला पदाधिकारी को घटिया निर्माण कार्य की सूचना एवं उक्त कार्य एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग अपने पदाधिकारी को सूचना देकर ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा।

बेलदौर: धूमधाम से गैर सरकारी संस्थानों ने मनाई सरस्वती पूजा

दैनिक बिहार पत्रिका | एक संवाददाता

खगड़िया: बेलदौर प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को बड़ी धूमधाम से गैर सरकारी संस्थानों ने सरस्वती पूजा मनाई गई। मालूम हो कि हिंदू पंचांग के अनुसार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का पर्व हर वर्ष बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। पंचमी तिथि को देवी सरस्वती की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है। मान्यता है कि बसंत पंचमी तिथि पर मां सरस्वती की पूजा करने से मां प्रसन्न हो जाती है। वसंत पंचमी के त्योहार को सरस्वती पूजा, वागेश्वरी जयंती, रती काम महोत्सव, बसंत उत्सव आदि कई नामों के साथ मनाया जाता है। मालूम हो कि सरकारी संस्थानों में सरस्वती पूजा नहीं मनाने से स्कूल विराम लग रहा है। गैर सरकारी संस्थानों में छात्र छात्राओं के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा बैठाई गई है, और बड़ी धूमधाम से छात्र छात्राओं के द्वारा पूजा पाठ किया गया। बेलदौर प्रखंड क्षेत्र के तीन जगहों पर सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर दो दिवसीय मेला का आयोजन होता है।

गोगरी : रिमझिम बारिश से सरस्वती पूजा का उत्सवी माहौल फीका

रेशु रंजन | दैनिक बिहार पत्रिका

गोगरी /खगड़िया: रिमझिम बारिश से सरस्वती पूजा का उत्सवी माहौल फीका मंगलवार की रात्रि से ही लगातार रिमझिम बारिश होने से बुधवार को मनाए जाने वाला सरस्वती पूजा का माहौल फीका हो गया। रिमझिम बारिश के कारण इलाके की सड़कें कीचड़मय बना हुआ है। रास्ते कीचड़युक्त होने से सरस्वती पूजा का उत्सवी माहौल फीका दिख रहा है। गोगरी में विभिन्न स्कूलों एवं युवा समिति के द्वारा सरस्वती प्रतिमा को स्थापित कर पूजा पाठ किया गया लेकिन युवाओं कब चेहरे पर खुशी के माहौल नही दिख रहा है। सुबह से ही सरस्वती पूजा पाठ किया जा रहा है। इधर प्रशासनिक स्तर से चिन्हित चौक चौराहे पर पुलिस बलों की ड्यूटी लगाई गई है। गोगरी थानाध्यक्ष अजीत कुमार लगातार सशत्र बलों के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्ती कर रहे थे।

मानसी: पुलवामा के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रवीण कुमार प्रियांशु | दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। मानसी प्रखंड के छोटी बलहा स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ में पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर शहीदों को बुधवार को श्रद्धांजलि दी गई। सर्वप्रथम वीर शहीदों को पुष्प अर्पित की गई। तत्पश्चात श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। गायत्री साधक संतोष कुमार के अध्यक्षता में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा के मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के सेवानिवृत उप निरीक्षक विजय साह एवं विशिष्ट अतिथि फौजी जय कुमार थे। सीआरपीएफ के सेवानिवृत जवान महेंद्र सिंह ने दिया जलाकर वीर शहीदों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। मैं उस समय पुलवामा के पास ही ड्यूटी पर था। इस हृदय विदारक आतंकी हमले को देखने गया। 44 जवानों ने शहादत दी, जिनके प्रति हम सदैव ऋणी हैं।

दो पक्षों में हुए विवाद में देवर-भाभी की पिटाई

प्रवीण कुमार प्रियांशु | दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। अलौली प्रखंड के कंठारी गांव में दो पक्षों के बीच बुधवार को मारपीट में छुड़ाने गए देवर भाभी को पीट-पीटकर घायल कर दिया। घायल बहादुरपुर पिकेट के कंठारी गांव निवासी धुनी लाल सदा व भाभी नीला देवी बताया गया। घायल ने बताया कि शुंभा गांव से कुछ युवक सरस्वती मां की प्रतिमा को लेकर गांव आ रहा था। वही घर के आगे में तीन चार युवक के साथ मारपीट हो रहा था। जिसको छुड़ाने के लिए उसकी भाभी गई थी। उसे और उसकी भाभी को ही मारपीट कर घायल कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए खगड़िया अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों द्वारा इलाज किया गया।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 4 केन्द्रों पर आज से

प्रवीण कुमार प्रियांशु | दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। सीबीएसई बोर्ड अंतर्गत 10वीं व 12वीं की परीक्षा जिले में चार केन्द्रों पर आगामी 15 फरवरी से आयोजित होगी। दोनों बोर्ड की परीक्षा साथ-साथ ही ली जाएगी। शहर स्थित एसएल डीएवी केन्द्र पर पीएल शिक्षा निकेतन, होली गंगेज, डीपीएस महेशखूंट व रोज बड एकेडमी स्कूल के परीक्षार्थियों की परीक्षा होगी। वहीं केन्द्रीय विद्यालय केन्द्र पर डीएवपी पब्लिक स्कूल के स्टूडेंटस की परीक्षा आयोजित होगी। इधर रोज बड एकेडमी केन्द्र पर केन्द्रीय विद्यालय के परीक्षार्थियों की परीक्षा होगी। वहीं डीएवी महेशखूंट केन्द्र पर जवाहर नवोदय विद्यालय व सैनिक स्कूल परवत्ता के परीक्षार्थियों की परीक्षा ली जाएगी।

बेलदौर प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था हुई चौपट....

बच्चों को नही मिल रहा है अंडा, एक ही क्लास रुम में तीन-तीन शिक्षिका करते हैं टाइम पास

विभागीय पदाधिकारी के मिलीभगत से प्राथमिक विद्यालय तिरासी एवं प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर वाषा में विद्यार्थियों को नहीं दिया जाता है अंडा,प्रधानाध्यापिका मोबाईल पर रहते हैं व्यस्त

प्रवीण कुमार प्रियांशु | दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया जिला के बेलदौर प्रखंड अंतर्गत कैजरी पंचायत के प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर वाषा में विद्यार्थियों को कभी भी अंडा नहीं दिया जाता है जिसको लेकर अभिभावक एवं विद्यार्थियों में काफी गुस्सा देखा जा रहा था। ग्रामीणों के शिकायत पर जब पत्रकारों की टीम ग्रामीणों के साथ प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर वाषा दोपहर 2:50 बजे गए तो उक्त विद्यालय के आधे दर्जन बच्चे इधर-उधर खेल रहे थे।लगभग दो दर्जन विद्यार्थियों को एक ही रुम में भेड़ बकरी के तरह रोक कर बीपीएससी पास तीन-तीन शिक्षिकाओं के द्वारा पढ़ाई करवाया जा रहा था जबकि उक्त विद्यालय में पर्याप्त संख्या में क्लास रुम उपलब्ध है। वही विद्यालय के प्रधानाध्यापिका मोबाइल पर गप्पे लरा रही थी।वही जब एक ही क्लास रुम में तीन-तीन शिक्षिकाओं के द्वारा पढ़ाई करवाने को लेकर उपस्थित प्रधानाध्यापिका से पुछा गया तो वह कुछ भी बताने से इनकार करते हुए बोली की हमारे विद्यालय में इसी तरह से क्लास चलता है। वही बच्चों के द्वारा बताया गया की उनके विद्यालय में बच्चों को कभी भी खाने के लिए अंडा नहीं दिया जाता है अंडा के बदले में उन्हें या तो संतरा दे दिया जाता है या अंगूर या केला वही केला खाने से कई बच्चे को सर्दी और खासी भी हो जाने की बातें सामने आ रही है। वही प्रधानाध्यापिका के द्वारा बताया गया कि उनके विद्यालय में 87 बच्चे नामांकित है जिसमे 66 बच्चे उपस्थित हुए जबकि वहा उपस्थित ग्रामीण राहुल कुमार यादव के द्वारा बच्चों की गिनती की गई तो सिर्फ 36 बच्चे उपस्थित थे। उक्त विद्यालय के एक शिक्षक धर्मराज कुमार अनुपस्थित थे।वही वही 3:00 बजे प्राथमिक विद्यालय तिरासी गए जहां सभी बच्चे बाहर मैदान में खेल रहे थे उपस्थित प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने बताया कि खेल घंटी होने के कारण सभी बच्चे बाहर खेल रहे हैं। वही सुनील कुमार ने बताया कि उनके विद्यालय में 195 बच्चे नामांकित है जिसमें 50 बच्चे उपस्थित देखा गया एक शिक्षक मोहम्मद फिरोज ट्रेनिंग में चले गए थे। वही प्रधानाध्यापक सुनील कुमार के द्वारा बताया गया कि उनके विद्यालय में विद्यार्थियों को कभी भी अंडा नहीं खिलाया जाता है इस बात की जानकारी विभागीय पदाधिकारी को दे दिया गया है अंडा के जगह उन्हें केला या तो संतरा दिया जा रहा है। जबकि संतरा का रेट

लगभग 1 रुपया पीस बताया जा रहा है और अंडा का 5 रुपया पीस रेट है। वही ग्रामीण मंटू सिंह के द्वारा बताया कि उनके विद्यालय में बच्चों को शिक्षक के द्वारा पढ़ाया नहीं जाता है सिर्फ टाइम पास होता है। उक्त मामले को लेकर जब जिला शिक्षा पदाधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल व्यस्त बताया गया। वही जिला पदाधिकारी अमित कुमार पांडे के द्वारा टोल फ्री नंबर जो जारी किया गया है उस पर जब बातें किया तो बताया गया कि विद्यालय में बच्चों को अंडा नहीं दिया जा रहा है एवं एक ही क्लास रुम में तीन-तीन शिक्षिका पढ़ाई बच्चों को करवा रहे हैं क्यों? उक्त बात के जांच पड़ताल करवाया जाएगा जिसको लेकर जिसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को बोल दिया गया है। वही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि उन्हें प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर बाशा एवं प्राथमिक विद्यालय तिरासी के मामले में जानकारी मिला है प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाध्यापिका से स्पष्टीकरण पूछा जा रहा है कि एक ही क्लास रुम में तीन-तीन शिक्षक क्यों पढ़ाई करवा रहे हैं एवं बच्चों को अंडा क्यों नहीं दिया जाता है।

सरस्वती पूजा के अवसर पर दो दिवसीय दंगल कार्यक्रम

ग्रामीणों के द्वारा 1952 ईस्वी से दंगल प्रतियोगिता का हर वर्ष गांव के ग्रामीणों के द्वारा आयोजन किया जाता है।

दैनिक बिहार पत्रिका | एक संवाददाता

खगड़िया। बेलदौर प्रखंड क्षेत्र के पीरनगरा पंचायत मे सरस्वती पूजा के अवसर पर दो दिवसीय दंगल कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष कृष्णा कुमारी यादव मुखिया मंजू देवी, थाना अध्यक्ष परेन्द्र कुमार ने संयुक्त हाथों से फीता काटकर उद्घाटन किया। मालूम हो कि बसंत पंचमी को लेकर पीरनगरा गांव के ग्रामीणों के द्वारा 1952 ईस्वी से दंगल प्रतियोगिता का हर वर्ष गांव के ग्रामीणों के द्वारा आयोजन किया जाता है। आदर्श इंटर विद्यालय पीरनगरा के प्रांगण में मेला कमेटी के सदस्यों के द्वारा मां सरस्वती पूजा के अवसर पर ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक दो दिवसीय मेला को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करना। मेले के हर एक जगह सीसीटीवी एवं कैमरे एवं पुलिस प्रशासन की निगरानी में आयोजित की जा रही है। पीरनगरा गांव के आखाड़ा में हर वर्ष दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, नेपाल, जम्मू कश्मीर बिहार के जिलों समेत स्थानीय पहलवानों के द्वारा दंगल में पहलवान भाग लेते हैं। उक्त दंगल को देखने के लिए ग्रामीणों के भीड़ उमड़ जाती है, यहां तक कि एनएच 107 पथ पर ग्रामीण अपना मोटरसाइकिल रोककर दंगल देखने में मशगूल हो जाते हैं। वही मेला कमेटी के अध्यक्ष कौशल किशोर यादव सचिव मनोज कुमार ने बताया कि करीब 70 वर्षों से इस तरह के मेले का आयोजन किया जाता है इस मेले में बड़े-बड़े शहरों के मशहूर कलाकार एवं पहलवान तथा टावर झूला ब्रेक डांस, अप्पू घर मंगाया जाता है।

इस मौके पर सरपंच गजेंद्र राम, समिति निभा देवी पीरनगरा, पूर्व प्रमुख अनिल यादव पूर्व समिति अरुण यादव समिति प्रतिनिधि बृजेश यादव पूर्व मुखिया इंद्रदेव पासवान संगम कुमार वचन देव प्रसाद यादव शिक्षक एवं शिक्षक नेता बृजेश यादव समेत सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

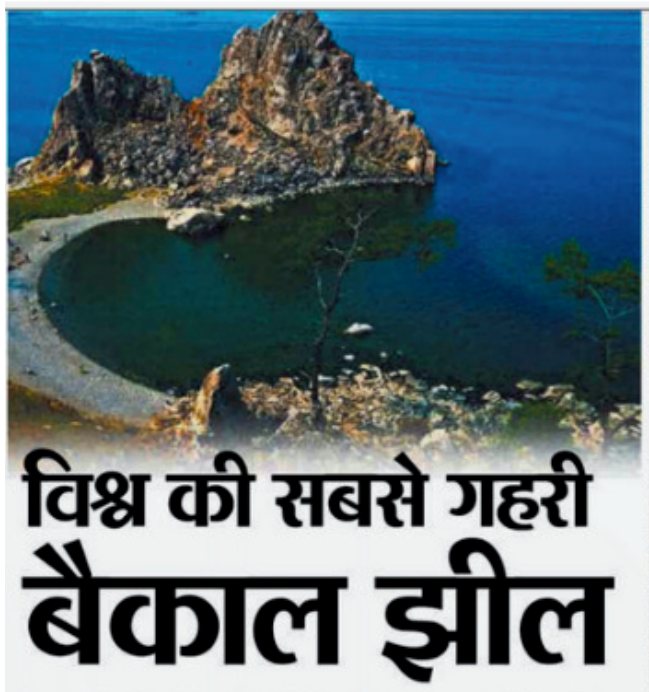

विश्व की सबसे गहरी बैकाल झील

बैकाल झील विश्व की सबसे गहरी झील है। यह झील रूस के अंदर स्थित है तथा मंगोलिया देश की सीमा के पास स्थित है। यह विश्व की एक धरोहर है इसी कारण यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत सूची में भी शामिल किया हुआ है। इस झील को दुनिया की सबसे पुरानी झील भी माना जाता है। बैकाल झील एक बहुत बड़ी झील है। इस झील में कई नदियां आके गिरती है तथा कुछ नदियां यहां से बाहर भी निकलती है। इस झील में सेलेगा नदी तथा बार्गूझीन नदी आकर गिरती है। इस झील में सर्वाधिक पानी इन्हें नदियों की वजह से आता है। इस झील से अंगारा नदी बाहर निकलती है जो कि एक महत्वपूर्ण नदी है।

बैकाल झील का पानी

इस झील का पानी मीठा है। रूस के कुल पीने के पानी का 90% इसी झील के अंदर पाया जाता है। इसी कारण कई लोग इसे पीने के पानी की दुनिया की सबसे बड़ी झील भी मानते हैं।

झील का आकार

बैकाल झील का आकार एक पतले लंबे चांद की तरह है। जो सेटेलाइट तथा ड्रोन से देखने पर बहुत ही अनोखा दिखाई देता है।

बैकाल झील की जलवायु

- बैकाल झील पहाड़ों के बीच स्थित एक सुंदर प्राकृतिक झील है। इस झील का उत्तरी भाग सर्दियों के मौसम में जम जाता है।
- यहां का तापमान सर्दियों में माइनस 19 डिग्री सेंटीग्रेड तक तथा गर्मियों में 14 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता है।
- यह झील पहाड़ों के बीच स्थित है इस कारण यह है लोगों के लिए बहुत ही मनोरम दृश्य प्रदान करती है।
- इस झील का पानी इतना साफ है कि इसमें 40 मीटर अंदर तक देख सकते हैं।

झील में जानवरों की प्रजातियां

- बैकाल झील पक्षियों तथा जानवरों के लिए भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। यहां पौधों में जानवरों की ऐसी दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती है जो और कहीं नहीं मिलती है।
- इस झील के अंदर 1500 से 1800 पानी के जीवो की प्रजातियां पाई जाती है।
- झील के किनारे 320 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती है।
- यहां की प्रमुख पानी के जीवो में बैकाल झील की सील तथा सेलमन प्रमुख मछलियां हैं
- यहां पाई जाने वाली सील मछली की प्रजाति दुनिया में और कहीं नहीं पाई जाती है।
- इस झील को सन 1996 में यूनेस्को ने प्राकृतिक विश्व विरासत की सूची में शामिल कर लिया था।
- इस झील की समुद्र तल से ऊंचाई 456 मीटर है।
- इस झील का पानी इतना साफ है कि इसमें 40 मीटर तक अंदर देख सकते हैं।
- बैकाल झील में रूस के पीने के पानी का 90 परसेंट पानी स्थित है।
- इस झील का आकार पतले चांद की तरह है।
- यह झील 25 से 30 मिलियन वर्ष पुरानी झील है।
- सर्दियों के दिनों में बैकाल झील का पानी बर्फ में बदल जाता है।

इस झील के ऊपर हवा में लटके रहते हैं बड़े-बड़े पत्थर

यह दुनिया रहस्यमयी चीजों से भरी पड़ी है। कई ऐसे रहस्य हैं, जिन्हें वैज्ञानिक भी सुलझा नहीं पाए हैं। सोचकर ही हैरानी होती है कि किसी झील के ऊपर हवा में कोई पत्थर लटका कैसे रह सकता है। यह एक ऐसा रहस्य है, जिसके बारे में जानकर आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। हम बात कर रहे हैं रूस के साइबेरिया में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी झील बैकाल के बारे में। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस झील के ऊपर कई बार हवा में पत्थर लटके नजर आते हैं।

पानी में लटके रहते हैं बर्फ

सर्दियों के मौसम में इस झील के ऊपर बहुत सारे पत्थर हवा में ऐसे लटके नजर आते हैं, जैसे पानी की कोई बूंद हो। दूर से इन पत्थरों को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि ये हवा में लटके हैं। हालांकि, अब इनका रहस्य खुल गया है। बता दें कि प्रकृति का यह अनोखा राज पहले कोई जान नहीं पाया था। लेकिन, अब इसकी सच्चाई सामने आ गई है। इस रहस्य को वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। बता दें कि ये पत्थर बर्फ के होते हैं और यह बेहद पतली नोक पर टिके होते हैं।

झील में होता है सब्लिमेशन

आम तौर पर पानी में पत्थर डूब जाते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी झील में सर्दियों के मौसम में अलग नजारा देखने को मिलता है। जब सर्दियों में इस झील के ऊपर बर्फ जमती है, तो यह अलग-अलग शेप में बदल जाती है। इस झील में एक प्रक्रिया होती है, जिसे सब्लिमेशन कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि बर्फ झील में ऊपर की तरफ आ जाती है। जब सर्दियों में तापमान नीचे गिरता है तो पानी बर्फ में तब्दील होता है। इस दौरान झील के नीचे से ऊपर की ओर सब्लिमेशन होता है। इससे सतह पर मौजूद चीज बाहर आ जाती है। इस कारण वह हवा में लटकी दिखाई देती है।

रोचक तथ्य

- सूर्य मंदिर का निर्माण 13 वी सदी में वर्तमान ओडिशा राज्य के कोणार्क नामक स्थान पर किया गया था,इसीलिए 'कोणार्क का सूर्य मंदिर' भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण पूर्वी गंग वंश के राजा नरसिंहदेव प्रथम ने 1250 ई में कराया था। इस मंदिर के तीन हिस्से हैं-नृत्य मंदिर, जगमोहन और गर्भगृह। यह सूर्य देवता के रथ के आकार में बना एक भव्य भवन है। इसके 24 पहिए सांकेतिक डिजाइनों से सज्जित हैं जिसे सात अश्व खींच रहे हैं। कोणार्क के सूर्य मंदिर के दोनों ओर 12 पहियों की दो कतारें है।
- कुछ लोगों का मत है कि 24 पहिए दिन के 24 घण्टों का प्रतीक है, जबकि अन्य का कहना है कि 12-12 अश्वों की दो कतारें साल के 12 माह की प्रतीक हैं। यहाँ स्थित सात अश्व सप्ताह के सात दिन दर्शाते हैं। स्थानीय कथाओं के अनुसार राजा नरसिंहदेव प्रथम ने बिसु महाराणा नाम के स्थापत्यविद को इस मंदिर के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी थी। कोणार्क का सूर्य मंदिर न केवल अपनी वास्तुकलात्मक भव्यता के लिए जाना जाता है, बल्कि यह शिल्पकला के गुंथन और बारीकी के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सूर्य मंदिर का निर्माण मूलतः चंद्रभागा नदी के मुहाने पर किया गया था, जोकि अब समाप्त हो गयी है।
- मुख्य मंदिर के पश्चिम में मंदिर संख्या-2 के अवशेष हैं,जिन्हें 'मायादेवी के मंदिर' के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि 'मायादेवी' भगवान सूर्य की पत्नियों में से एक थीं।
- इस मंदिर का निर्माण खोण्डालाइट चट्टानों से किया गया है।
- इस मंदिर के द्वार के दोनों ओर स्थित दो विशाल मूर्तियों में एक सिंह हाथी को दबोचे हुए है।
- समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय में इसे 'ब्लैक पगोडा' कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह जहाजों को किनारे की ओर आकर्षित करता था और उनका नाश कर देता था।
- स्थानीय लोगों का मानना है कि यहाँ के टावर में स्थित दो शक्तिशाली चुंबक मंदिर के प्रभावशाली आभामंडल के शक्तिपुंज हैं। कुछ लोगों के अनुसार शक्तिशाली चुम्बकों के कारण ही जहाजों को अपनी ओर आकर्षित करता था।
- 15वीं सदी में आक्रमणकारियों की लूटपाट के दौरान, सूर्य मंदिर के पुजारियों ने यहाँ स्थपित सूर्य देवता की मूर्ति को पुरी में ले जाकर सुरक्षित रख दिया, लेकिन पूरा मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था। बाद में धीरे-धीरे इस मंदिर पर रेत जमा होने लगी और लंबे समय के बाद यह पूरी तरह से रेत से ढँक गया था। बाद में ब्रिटिश शासन के अंतर्गत हुए मरम्मत कार्य में सूर्य मंदिर को पुनः खोजा गया।
- यह भारत का सबसे महत्वपूर्ण सूर्य मंदिर है, जहाँ ऊर्जा, ज्ञान और जीवन के प्रतीक सूर्य की मानवकार मूर्ति मिलती है। इसके अलावा एक अन्य महत्वपूर्ण सूर्य मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में कटारमल नमक स्थान पर भी मिलता है,जिसे 'कटारमल का सूर्य मंदिर' कहा जाता है।
- वर्तमान में इस मंदिर का काफी भाग ध्वस्त हो चुका है, जिसका कारण अनेक विद्वान अलग-अलग बताते हैं अर्थात कोई इसका कारण मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा लूटपाट को बताता है तो कुछ का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो ही नहीं पाया था। कुछ लोग समुद्र की ओर से आने वाली खारे पानी की वाष्प युक्त हवा को इसके ध्वस्त हो जाने का कारण मानते हैं।
- कोणार्क का सूर्य मंदिर कलिंग वास्तुकला की उपलब्धियों का उच्चतम बिन्दु है, जो भव्यता,उल्लास और जीवन के सभी पक्षों का अनोखा तालमेल प्रदर्शित करता है।

सूर्य देवता को समर्पित है कोणार्क का सूर्य मंदिर

'कोणार्क का सूर्य मंदिर' सूर्य देवता को समर्पित एक मंदिर है, जो भारत में पुरी (ओडिशा राज्य) के पास स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण पूर्वी गंग वंश के राजा नरसिंहदेव प्रथम ने 1250 ई. में कराया था। यूनेस्को ने वर्ष 1984 में इसे 'विश्व विरासत स्थल' का दर्जा प्रदान किया था। समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय में इसे 'ब्लैक पगोडा' कहते थे। 'कोणार्क का सूर्य मंदिर' सूर्य देवता को समर्पित एक मंदिर है,जो भारत में पुरी (ओडिशा राज्य) के पास स्थित है। यह ओडिशा की मध्यकालीन वास्तुकला का अनोखा नमूना है और भारत का प्रसिद्ध ब्राह्मण तीर्थ है। यूनेस्को ने वर्ष 1984 में इसे 'विश्व विरासत स्थल' का दर्जा प्रदान किया था। 'कोणार्क' शब्द, 'कोण' और 'अर्क' शब्दों के मेल से बना है, 'अर्क' का अर्थ होता है-'सूर्य' और 'कोण' का अभिप्राय संभवतः कोने या किनारे से रहा होगा।

क्यों कहते हैं इसे ब्लैक पगोडा

भारत में ऐसे कई एतिहासिक मंदिर हैं, जो सदियों से लोगों के आकर्षण के केंद्र बने हुए हैं। इन्हीं में से एक कोणार्क का सूर्य मंदिर। यह भारत के चुनिंदा सूर्य मंदिरों में से एक है, जो उड़ीसा में जगन्नाथ पुरी से 35 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में कोणार्क शहर में स्थित है। यह मंदिर ओडिशा की मध्यकालीन वास्तुकला का अनोखा नमूना है और इसी वजह से साल 1984 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। वैसे तो यह मंदिर अपनी पौराणिकता और आस्था के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है, लेकिन इसके अलावा और भी कई वजहें हैं, जिनकी वजह से इस मंदिर को देखने के लिए दुनिया के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं।

लाल रंग के बलुआ पत्थरों और काले ग्रेनाइट के पत्थरों से बने इस मंदिर का निर्माण अब तक एक रहस्य ही बना हुआ है। हालांकि ऐसा माना जाता है कि इसे 1238-64 ईसा पूर्व गंग वंश के तत्कालीन सामंत राजा नरसिंह देव प्रथम द्वारा बनवाया गया था। वहीं, कुछ पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर को भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब ने बनवाया था। कोणार्क का मुख्य मंदिर तीन मंडपों में बना है। इनमें से दो मंडप ढह चुके हैं। वहीं, तीसरे मंडप में जहां मूर्ति स्थापित थी, अंग्रेजों ने स्वतंत्रता से पूर्व ही रेत और पत्थर भरवा कर सभी द्वारों को स्थायी रूप से बंद करवा दिया था, ताकि मंदिर और क्षतिग्रस्त न हो पाए।

एक समय में समुद्री यात्रा करने वाले लोग इस मंदिर को 'ब्लैक पगोडा' कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह जहाजों को अपनी ओर खींच लेता था, जिसकी वजह से वह दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे। इसके पीछे कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर के शिखर पर 52 टन का एक चुंबकीय पत्थर लगा हुआ था, जिसके प्रभाव से वहां समुद्र से गुजरने वाले बड़े-बड़े जहाज मंदिर की ओर खिंचे चले आते थे, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती थी। कहते हैं कि इसी वजह से कुछ नाविक उस पत्थर को निकालकर अपने साथ लेकर चले गए।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, 52 टन का वह पत्थर मंदिर में केंद्रीय शिला का काम कर रहा था, जिससे मंदिर की दीवारों के सभी पत्थर संतुलन में थे। लेकिन इसके हटने के कारण, मंदिर की दीवारों का संतुलन खो गया और इसकी वजह से दीवारें गिर पड़ीं। हालांकि इस घटना का कोई एतिहासिक विवरण नही मिलता है और ना ही मंदिर में किसी चुंबकीय पत्थर के अस्तित्व का ही ब्यौरा कहीं उपलब्ध है।

रहस्यमयी बना हुआ है हेरापोलिस का पुराना मंदिर

धरती पर ऐसी कई जगहें हैं, जो अपने विशेष वजहों से रहस्यमय बनी हुई हैं। कुछ ऐसी ही जगहों में से एक है तुर्की का प्राचीन शहर हेरापोलिस। हेरापोलिस में एक बहुत ही पुराना मंदिर स्थित है, जिसे लोग नर्क का द्वार कहते हैं। इस मंदिर के अंदर जाना तो दूर, आसपास भी जाने वाले लोग कभी लौटकर वापस नहीं आ पाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर के संपर्क में आते ही इंसान से लेकर पशु-पक्षी तक मर जाते हैं।

कई सालों तक हेरापोलिस में स्थित यह जगह रहस्यमय बनी हुई थी। क्योंकि लोगों का ऐसा मानना था कि यूनानी देवता की जहरीली सांसों की वजह से यहां आने वालों की मौत हो रही है। लगातार हो रही मौतों के वजह से इस मंदिर को लोगों ने 'नर्क का द्वार' नाम दे दिया।

ऐसा भी कहा जाता है कि ग्रीक, रोमन काल में भी लोग मौत के डर की वजह से यहां जाने से डरते थे। हालांकि, वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही मौत की गुत्थी सुलझा ली है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस मंदिर के नीचे से लगातार जहरीली कार्बन डाई ऑक्साइड गैस रिसकर बाहर निकल रही है, जिसके संपर्क में आते ही इंसानों और पशु-पक्षियों की मौत हो जाती है।

यह दुनिया रहस्यमयी चीजों से भरी पड़ी है. कई वैज्ञानिक इसके रहस्य को सुलझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और वे कुछ रहस्यों को सुलझाने में सफल भी रहे हैं. लेकिन कुछ रहस्य अभी भी रहस्य ही बने हुए हैं, लेकिन हमें पूरा यकीन है कि एक दिन वैज्ञानिक उन सभी रहस्यों को भी सुलझा लेंगे. यहां हम जिस जगह की बात कर रहे हैं उस जगह का रहस्य भी सुलझ गया है. कई लोग इस जगह को अलग-अलग नामों से जानते हैं. कोई इस जगह को जहन्नुम का रास्ता कहते है, तो कोई इस जगह को नरक का दरवाजा भी कहते है. कहा जाता है कि आज तक यहां जाने वाला कोई वापस नहीं आया, जो जाता है वह सीधे नर्क पहुँच जाता है. यहां सिर्फ इंसान ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी जो भी जाते है वो सीधे नर्क पहुँच जाते है.

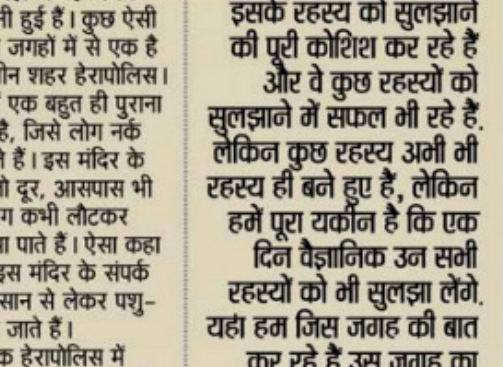

नर्क का दरवाजा उर्फ गेट्स ऑफ हेल का क्या रहस्य है, उस जगह को नर्क का द्वार क्यों कहा जाता है, यह जगह कहाँ पर स्थित है, आइये इससे संबंधित जानते है. नरक का दरवाजा का रहस्य

तुर्की के प्राचीन शहर हीरापोलिस में एक बहुत ही प्राचीन मंदिर है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां नर्क का द्वार है. जिसके अंदर जाना तो दूर, पास जाने वाला भी अपनी जान गवां बैठता है. वहां के स्थानीय लोगो का कहना है कि यहां होने वाली मौत की वजह यहां के यूनानी देवता है, जिनकी जहरीली सांसों की वजह से यहां आने लोगों एवं पशु-पक्षियों की मौत हो जाती है. यही वजह है कि इस मंदिर को लोग 'नरक का द्वार' या 'नरक का दरवाजा' कहते हैं. ऐसा कहा जाता है कि ग्रीक, रोमन काल में भी, जो कोई भी इस मंदिर के आसपास जाता था, उसका सिर काट दिया जाता था. उस समय भी लोग मौत के डर से यहां जाने से डरते थे.

हालांकि अब वो दिन नहीं रहे, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां आने-जाने वाले लोगों एवं पशु-पक्षियों की लगातार रहस्यमयी तरीको से मौत हो रही है. इसके वजह से लोग कई तरह की बातें कर है, जिसमे 'यूनानी देवता की जहरीली सांसों से होने वाली मौत बात' भी एक है. लेकिन वैज्ञानिकों ने इस बात से पूरी तरह इनकार किया है कि यहां होने वाली मौत की वजह कोई यूनानी देवता की जहरीली सांसे नहीं है, बल्कि इसकी वजह कुछ अलग ही है.

यहां होने वाली मौत की वजह

वैज्ञानिकों के अनुसार यहां होने वाली मौत की वजह यूनानी देवता की जहरीली सांसे नहीं है, बल्कि मंदिर के नीचे से लगातार जहरीली कार्बन डाई ऑक्साइड गैस रिसकर बाहर निकल रही है, यही गैस सबके मौत की वजह है. दरअसल मंदिर के नीचे बनी गुफा में भारी मात्रा में यानी लगभग 91 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड मौजूद है. जबकि आमतौर पर केवल 10 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड ही किसी व्यक्ति को सिर्फ 30 मिनट में मौत के घाट उतार सकती है. यहां भी ऐसा ही हो रहा है, कहने का मतलब- इस गुफा के अंदर से निकल रही कार्बन डाइऑक्साइड गैस की वजह से ही यहां आने वाले लोगों एवं पशु-पक्षियों की मौत हो रही है.

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267